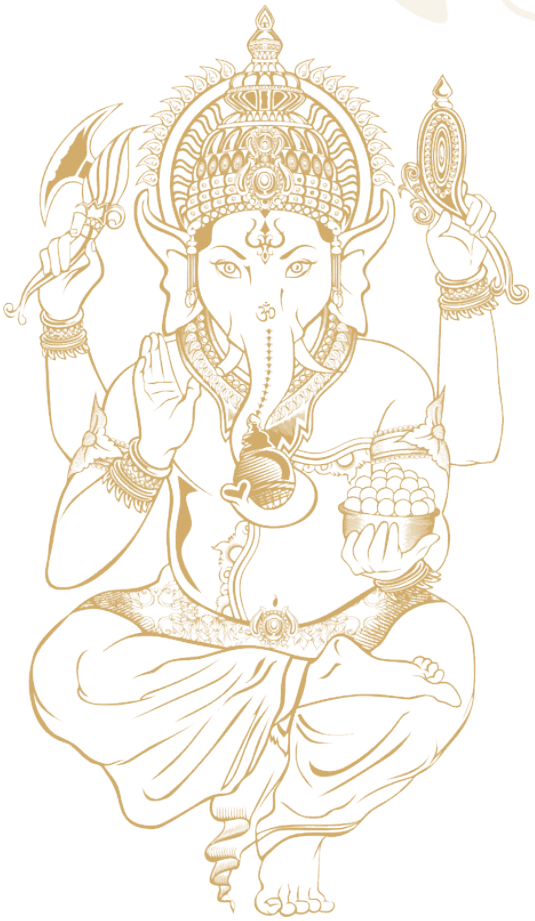

Mr.

23 Mar 2026

09:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121694703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/03/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:00:00 घंटे**
इष्ट	36:34:42 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:36 घंटे
साम्पातिक काल	08:43:24 घंटे
सूर्योदय	06:22:07 घंटे
सूर्यास्त	18:33:52 घंटे
दिनमान	12:11:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	08:47:05 मीन
लग्न के अंश	11:26:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:26:43	310:18:48	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मीन	08:47:05	00:59:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	10:06:19	14:26:00	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	कुंभ	22:20:42	00:47:07	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			कुंभ	14:38:50	00:15:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
गुरु			मिथु	21:06:53	00:02:24	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	27:06:33	01:14:11	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	10:16:50	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:32:04	00:02:27	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:32:04	00:02:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:11:36	00:02:18	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:39:48	00:02:17	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:50:29	00:01:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	14:12:17	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

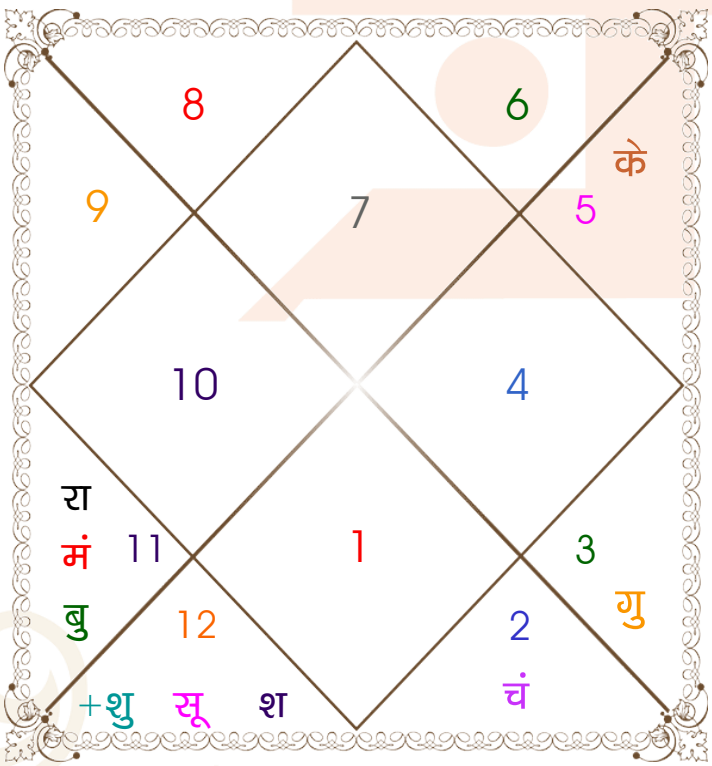

चन्द्र कुंडली

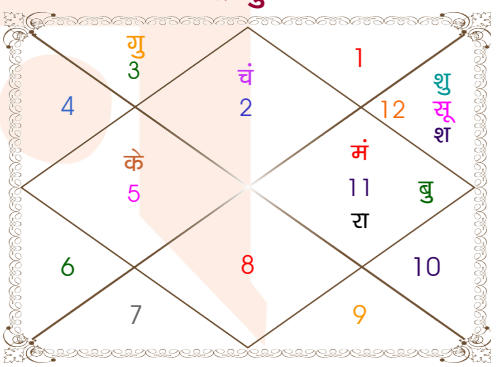

नवमांश कुंडली

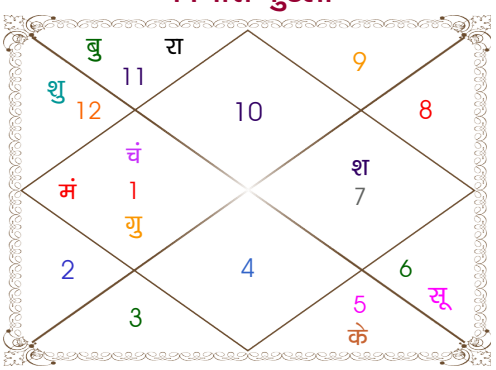

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 11 मास 1 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/03/2026		23/02/2036		23/02/2043		22/02/2061		22/02/2077	
23/02/2036		23/02/2043		22/02/2061		22/02/2077		23/02/2096	
चंद्र	24/12/2026	मंगल	21/07/2036	राहु	05/11/2045	गुरु	12/04/2063	शनि	26/02/2080
मंगल	25/07/2027	राहु	09/08/2037	गुरु	31/03/2048	शनि	24/10/2065	बुध	05/11/2082
राहु	23/01/2029	गुरु	16/07/2038	शनि	05/02/2051	बुध	30/01/2068	केतु	15/12/2083
गुरु	25/05/2030	शनि	24/08/2039	बुध	24/08/2053	केतु	05/01/2069	शुक्र	14/02/2087
शनि	24/12/2031	बुध	21/08/2040	केतु	11/09/2054	शुक्र	06/09/2071	सूर्य	27/01/2088
बुध	25/05/2033	केतु	17/01/2041	शुक्र	11/09/2057	सूर्य	24/06/2072	चंद्र	27/08/2089
केतु	24/12/2033	शुक्र	19/03/2042	सूर्य	06/08/2058	चंद्र	24/10/2073	मंगल	06/10/2090
शुक्र	24/08/2035	सूर्य	25/07/2042	चंद्र	05/02/2060	मंगल	30/09/2074	राहु	12/08/2093
सूर्य	23/02/2036	चंद्र	23/02/2043	मंगल	22/02/2061	राहु	22/02/2077	गुरु	23/02/2096

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/02/2096		23/02/2113		24/02/2120		24/02/2140		24/02/2146	
23/02/2113		24/02/2120		24/02/2140		24/02/2146		00/00/0000	
बुध	22/07/2098	केतु	22/07/2113	शुक्र	26/06/2123	सूर्य	13/06/2140	चंद्र	24/03/2146
केतु	19/07/2099	शुक्र	22/09/2114	सूर्य	25/06/2124	चंद्र	12/12/2140		00/00/0000
शुक्र	20/05/2102	सूर्य	27/01/2115	चंद्र	24/02/2126	मंगल	19/04/2141		00/00/0000
सूर्य	26/03/2103	चंद्र	28/08/2115	मंगल	26/04/2127	राहु	14/03/2142		00/00/0000
चंद्र	25/08/2104	मंगल	25/01/2116	राहु	25/04/2130	गुरु	31/12/2142		00/00/0000
मंगल	22/08/2105	राहु	11/02/2117	गुरु	24/12/2132	शनि	13/12/2143		00/00/0000
राहु	10/03/2108	गुरु	18/01/2118	शनि	24/02/2136	बुध	18/10/2144		00/00/0000
गुरु	16/06/2110	शनि	27/02/2119	बुध	25/12/2138	केतु	23/02/2145		00/00/0000
शनि	23/02/2113	बुध	24/02/2120	केतु	24/02/2140	शुक्र	24/02/2146		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 11 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।